

## भागवत कथा - 13

### मीना-बांदा-उत्तर प्रदेश

यह एक और प्रकरण है, जिसमें बांदा जिले की मीना शिवबाबा की मुरलियों की गहराइयों को देखते हुए अपने-आप को ईश्वरीय यज्ञ में समर्पित किए बिना रोक नहीं पाई।

### Bhagawat Story-14:

#### Meena-Banda-From Uttar Pradesh:

This is another episode towards the depth of Murlis emerging from Shiv Baba is all about Miss. Meena of Banda from U.P who could not restrain from surrendering herself for the cause of Godly service and sacrifice.

मीना के पिता राकेश सिंह कुछ दिनों के लिए अपनी बेटी के साथ बांदा की गीता-पाठशाला में जाते रहे; परंतु अपनी ही बुरी आदतों के वशीभूत होने के कारण न ज्ञान में श्रद्धा रख पाए, न अपनी बेटी को प्रोत्साहन दे पाए। मीना का ज्ञान में तीखापन व श्रद्धा-विश्वास उनको अच्छा नहीं लगा तो वे मीना पर बंधन डालने लगे, ताकि वह ज्ञान में न चले। जब मीना को जबरियन ज्ञान में चलने से रोकने लगे, तो 19 साल की मीना के सामने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की ओर भागने के सिवाय और कोई रास्ता बचा ही नहीं। आखरीन, मीना ने अपना निर्णय बताते हुए, बांदा थाने में ता.23-08-2011 को रजिस्टर पोस्ट द्वारा अपने माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों से रक्षण प्रदान करने की माँग को लेकर एक पत्र भेजा।

Meena's father Rakesh Sinh, resident of Aliganj, Banda used to attend the Murli Versions at Banda along with his daughter for quite some time. However, having unable to pay attention to the knowledge owing to his own accustomed vices, he developed disinterest in the knowledge. He could not even encourage his daughter. He became averse towards the knowledge and did not prefer to allow his daughter involve deep into the knowledge and started imposing restrictions on her. When he started restraining her from attaining spiritual knowledge forcibly, Meena, aged 19 years, was left with no alternative except to flee away towards Adhyatmik Vishwa Vidyalaya from home. While apprising her position and consequent decision, she has addressed a request letter to Banda Police Station by Regd. post on 23-08-2011 with request to provide protection from her parents and relatives.

फर्रुखाबाद में पहुँचते ही उसने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में अपने-आप को ईश्वरीय सेवा के लिए समर्पित करते हुए ता.24-08-2011 को एक ऐफ़िडेविट सौंपा। स्थिति को बताते हुए और पुलिस रक्षण माँगते हुए मीना ने फर्रुखाबाद के पुलिस अधीक्षक को उसी दिन एक पत्र भी **रजिस्टर पोस्ट** द्वारा भेजा। मीना ने बाँदा पुलिस को और साथ ही फर्रुखाबाद पुलिस अधीक्षक को भी यह बात खास स्पष्ट की कि वह बालिग है और स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में ईश्वरीय सेवा के लिए समर्पित होकर वहीं रहना चाहती है। जैसे ही उनकी माता विमला देवी और पिता राकेश सिंह ने ता.24-08-2011 को फर्रुखाबाद पुलिस वालों को कम्प्लेंट की, दूसरे दिन ही ईश्वरीय परिवार के राजू भाई को बाँदा पुलिस वालों ने **बगैर कोई एफ.आई.आर. दर्ज किए अरेस्ट कर लिया**। मीना के पत्रों पर न बाँदा पुलिस वालों ने और न फर्रुखाबाद पुलिस वालों ने कोई खास ध्यान दिया। तीन दिन गुजरते ही, ता.28-08-2011 को मीना के माता-पिता बाँदा पुलिस को लेकर फर्रुखाबाद आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में **पहुँच गए**। बाँदा पुलिस के सामने मीना ने अपनी जन्मतिथि का प्रूफ दिखाते हुए **अपना** निर्णय बता दिया कि वह स्वेच्छा से आध्यात्मिक विद्यालय में रहना चाहती है। बाँदा पुलिस सब इंसपेक्टर तो देखता रहा; परंतु मीना के माता-पिता ने उसको खींचकर ले जाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी; लेकिन मीना फिर भी **अपने** निर्णय पर अड़ी रही।

While expressing her determined belief in the knowledge, she has also executed an affidavit on 24-08-2011 to the extent that she was surrendering herself for cause of Godly service. Simultaneously, on the same day, as a precautionary measure, she addressed a letter detailing the entire situation and her fears to the Superintendent of Police, Farrukhabad by registered post. Meena has in her letters addressed to the S.H.O., Banda as well to the Superintendent of Police, Farrukhabad made it quite clear that she was a major and wish to stay with the "AVV family" at her own will and without any pressure by anybody. The mother of Meena, Vimala Devi and father Rakesh Singh have approached the Police at Farrukhabad and lodged a complaint on 24th August, 2011.

On the very next day, one of the spiritual brothers Raju Bhai of Banda was taken into the illegal custody by Banda Police in the absence of any FIR having been lodged. Neither the S.H.O., Banda and the S.P., Farrkhabad have given any accord to Meena's letters of request. And three days after, on 28th August, Meena's parents rushed to Farrukhabad "AVV" along with a Police of Banda. Despite giving a clear statement as to her intention to stay in the "AVV" and showing her certificate of proof of age in the presence of police, Meena's parents used all their energies to grab and take her back home, but Meena had stuck to her own decision.

अगर यह बात यहाँ खतम हो जाती, तो यह अनावश्यक लम्बा प्रकरण बनता ही नहीं। चार घंटे पूरे बीते ही नहीं, उसी दिन अर्थात् ता.28-08-2011 को लगभग 20-25 कॉन्स्टेबल्स के साथ पुलिस अधिकारी फ़र्रुखाबाद आध्यात्मिक विश्वविद्यालय पर टूट पड़े। कन्याएँ-माताएँ उस समय आध्यात्मिक विद्यालय में अपनी दिनचर्या के अनुसार ज्ञान चिंतन में लगी हुई थीं।

If the attempts end here, this episode would not have had a further unnecessary and lengthy walk ahead. Within 4 hours on the same day on 28th August, around 20 to 25 male Police Officers and constables along with the parents of Kum. Meena, forcefully intruded into the Farrukhabad "AVV". It was the time when the mothers and sisters were in regular course of churning of the spiritual knowledge.

पुलिस वाले विद्यालय में कोई औपचारिक पूछताछ किए बगैर जोर-जबरदस्ती, मनमाने तरीके से अपनी वर्दी व पद का दुरुपयोग करते हुए सारे दरवाजे तोड़ते हुए कन्याओं-माताओं के कमरों में घुस गए। कोई महिला पुलिस (अथवा सर्च वारंट) भी उनके साथ नहीं था।

The police, in sheer disregard of the constitutional rights and formalities of the Vidyalaya; even without any formal enquiry; and in disrespect of their own uniform, intruded into the rooms of mothers and sisters by break opening the shutters and doors of the "AVV". Neither any search warrant nor any lady police are with them.

फ़र्रुखाबाद के गुलाबी गेंग की मुखिया अंजली यादव, सरला पांडे और उस गेंग के बहुत-से अनुचर भी पुलिस वालों के साथ जोर-जबरदस्ती अन्दर घुस आए और तोड़-फोड़ व मार-पीट करने में अपनी ताकत दिखाने लगे।

One Gulabi Gang of Farrukhabad with their leaders Anjali Yadav and Sarla Pande followed by a number of their followers also intruded inside simultaneously and used their energies in ransacking the house and beating the brothers, sisters and mothers of the "AVV".

पुलिस वालों ने गुलाबी गेंग के साथ हाथ बँटाना शुरू कर दिया। पुलिस वालों को याद ही नहीं आया था कि वे अपने साथ महिला पुलिस नहीं लाए हैं। देर से ही सही, उनको महसूस तो हुआ- आखिर क्या गलती हो गई! एक घंटे में ही कन्याओं-माताओं को धक्के देते हुए, मार-पीट करते हुए, शर्मनाक गालियाँ देते हुए लेडीज़ पुलिस कूद पड़ी। पुलिस वालों की नृशंसता देखकर उनकी आँखों के सामने ही गुलाबी गेंग भी गुंडागर्दी पर उतर पड़ी।

The Police, all being males joined hands with the Gulabi Gang in harassing the inmates of the "AVV" indiscriminately. There were no lady police at that moment. The male police have noticed their lapse after a while and called for lady police who have joined the mob an hour later. The lady police jumped into action; crossed all the limits of cruelty in abusing, thrashing, beating and misbehaving with the innocent girls and Matas of the "AVV" mercilessly along with the male police using abusive language. Seeing the cruel attitude of the police, the Gulabi Gang also joined hands in harassing the inmates.

**कु. मीना ने** जिन बड़े अधिकारियों को अपनी रक्षा के लिए पत्र सौंपे थे, वे पत्र तो कचड़े के डिब्बे में फेंक दिए गए। जिनसे रक्षण की आशा रखी थी, वे पुलिस वाले गुलाबी गेंग के साथ मार-पीट करने में हाथ बँटा रहे थे, जिन चोटों की गहराइयों की साक्षी लोहिया हॉस्पिटल की मेडिकल रिपोर्ट्स खुद बन गईं। विद्यालय के वासी- हर्षा बहन, रोहिणी बहन, वेदावती, मनीषा, मृणाल, पार्वती और सरोज माता चोटों पर मरहम-पट्टी लगवाकर वापस आध्यात्मिक विद्यालय में पहुँचे थे, जिनकी चोटें शांत होने में भी काफ़ी वक्त लग गया था।

The request letters for Police protection addressed by Meena to Police authorities found their destinations in the dustbins. The police from whom safety is anticipated have extended their support to the Gulabi Gang till the limits of cruelty. The havoc created by the joint approach of police and Gulabi gang is evidenced by the medical reports of the girls given by the Ram Manohar Lohiya hospital on the same date. A few names of the innocent girls and Matas who faced severe injuries are; Harsha, Rohini, Vedavati, Manisha, Mrunal, Parvati and Saroj mata. The innocent girls and mothers returned from the govt. Hospital with bandages and it took much time to recover from their injuries.

भीड़ ने विद्यालय के सक्रिय सदस्य वयोवृद्ध शांतिबाबू को भी नहीं छोड़ा। उनको भी मारा-पीटा गया और गुलाबी गेंग व उनके साथ अंदर घुसे हुए 250 गुंडे शांतिबाबू के सिर से बहते हुए खून को देखते हुए आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की वस्तुओं को लूटने में लगे रहे।

Even the senior citizen Shanti Babu, an active member of the "AVV family" was not spared. He was also beaten severely. He received severe major injury on his head causing a lot of bleeding. And the entire mob were engaged in loot of the "AVV". The devastating mob consisted more than 250 intruders.

भले पहले सिनेमा के पर्दे पर अनेकानेक धार्मिक सीरियल्स में यज्ञ विध्वंस के राक्षसी करतब देखे थे और अभी प्रैक्टिकल में भी देख लिए। हर्षा बहन जो कि माइक्रो-बायोलॉजी में यू.एस.ए. से ग्रेजुएट रही है, जब

आततायी पुलिस व गुलाबी गेंग का सच्चाई से सामना करने लगी तो उसे भी उन्होंने काफी प्रताड़ित किया और मेल पुलिस व लेडीज़ पुलिस ने मिल करके हर्षा बहन को बालों से पकड़कर खींचते हुए जीप में डाल दिया।

Well, many might have seen the barbarous deeds of the demons ravaging the sacrifices on the cinema screens and in a number of religious serials; and some might have seen in practical also. The lady police in hands with male police, thrashed spiritual sister Miss Harsha, a graduate in microbiology from U.S.A., caught hold of her hair and dragged her into their jeep when she was trying to face them along with the Gulabi Gang with an explanation of Truth.

यह शर्मनाक कांड शाम 5 बजे तक चलता रहा। उसी समय एक सरकारी अधिकारी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में आ पहुँचे। गुलाबी गेंग की मुखिया अंजली यादव, सरला पांडे व उसके अन्य अनुचर और अन्य गुंडों-बदमाशों के खिलाफ हर्षा बहन द्वारा फ़र्रुखाबाद थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई थी (केस क्राइम नं. 332/11)।

The entire havoc continued for four hours and at 5 P.M on the same day, a senior government official came to the "AVV". An F.I.R has been lodged with Farrukhabad police station against the leaders of Gulabi Gang Anjali Yadav and Sarla Pande all those who have resorted such irresponsible behavior under Crime NO. 332/11.

अपने वयस्क होने का प्रूफ़ दिखाते हुए भी और आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रहने की अपनी इच्छा जताते हुए भी, कुमारी मीना के बयान पर ध्यान न देते हुए, उसको भी पुलिस की मदद से घसीटकर फ़र्रुखाबाद के थाने में ले जाया गया। अगर पुलिस वालों ने तुरंत मैजिस्ट्रेट के सामने 164 सी.आर.पी.सी. के अंतर्गत उसका बयान दिलवाया होता और अखबार वाले लोगों का भड़काना बंद किया होता तो शायद ही फ़र्रुखाबाद के लोगों के दिलों में आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के प्रति नफ़रत पैदा नहीं हुई होती। लेकिन पुलिस वालों ने फ़र्रुखाबाद लोकल मजिस्ट्रेट के सामने मीना के बयान न करवाकर उक्त मामले को बांदा पुलिस के साथ रफ़ा-दफ़ा कर दिया।

The senior government official have forcibly taken the custody of Kum. Meena with the help of the Police while her statement before the Police as to her own volition of joining the "AVV" and intimating the fact of her being major has gone to winds. Had the police got obtained statement under section 164 Crpc from Meena in the presence of the Magistrate and had the News media stopped adding fire by provoking the public of U.P; perhaps the public would not have developed

grudge in their minds against the "AVV". Despite; the police instead of obtaining the said statement before the local Magistrate of Farrukhabad has handed over the matter to Banda police.

पुलिस वालों का गुलाबी गेंग और अन्य गुंडों के साथ मिल करके किया हुआ अमानुषिक, अनैतिक, असभ्य व्यवहार का विरोध करते हुए, फ़र्रुखाबाद के पुलिस अधीक्षक, जिला मैजिस्ट्रेट व डी.जी.पी., लखनऊ को हर्षा बहन के द्वारा दिए गए कम्प्लेंट्स पत्र **बिना कोई कार्यवाही के** वैसे ही उन-2 दफ़्तरों के कूड़ेदानों में पड़े रहे।

The complaints addressed by sister Harsha to the S.P., Farrukhabad, District Magistrate, Farrukhabad, D.G.P. Lucknow and the so called National Commission for Women, explaining the inhuman, immoral, indecent behavior of the Police in hands with Gulabi Gang have again found their way to the dustbins of their respective offices carried over the trollies of inaction.

**आला अधिकारियों के ऐसे व्यवहार ने** पुलिस वालों की निष्क्रियता और आसुरी शक्तियों को और ही प्रोत्साहित कर दिया। जैसे कि उन्हें कुछ भी करने का लाइसेंस मिल गया हो। **आबू** पहाड़ों से मिलती रही हिम्मत वा धन प्रवाह की कोई कमी न रही। हाँ, गुलाबी गेंग की **मुखिया** अंजली यादव और सरला पांडे के नेतृत्व में फिर एक बार गुंडों ने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के **ऊपर ता.01-09-2011 को** आक्रमण किया। जो कुछ बचा-**खुचा** होगा, उसे भी समाप्त करने के लिए आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की दैनंदिनी विधियों में विघ्न डालते हुए, फिर वही मार-पीट, लूट, तोड़-फोड़ की गई।

The silence under the guise of inaction of the police and Government Officials has given a further strength to the evil elements as if a free license was accorded to them allowing whatever they want to do against the "AVV". There was no shortage of support, whether it be manpower or a financial assistance flowing from the Abu Hills. With these strengths in the backdrop, the Gulabi Gang led by Anjali Yadav and Sarla Pandey in hand with local Goondas attacked and ransacked the "AVV" again on 1st September, 2011; with an aim to destroy whatever is remaining; and to disrupt the daily spiritual activities of the "AVV family"; Again same loot, ransack and devastation was resorted to.

उन गुंडों ने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के वासियों के ऊपर कितने पत्थर फेंके थे, कितना सामान लूट कर ले गए, कितने लोगों को चोट पहुँचाई थी, कितनी अश्लील और अभद्रतापूर्वक गालियाँ देते रहे- इन सब चेष्टाओं की गिनती कहाँ तक बता पाएँगे ! वह काम तो मीडिया वालों पर ही छोड़ देंगे। हाँ ! पहले वाले 28.08.2011 के आसुरी व्यवहार में और अब के अर्थात् ता.01-09-2011 के व्यवहार में खास अंतर

यही रहा कि उस समय उनके साथ पुलिस वालों का प्रत्यक्ष सहयोग रहा, जबकि अब परोक्ष। चलो, अब न्यूज़ मीडिया वालों को अपना सक्क्युलेशन (टी. आर. पी.) बढ़ाने का त्योहार मनाने दें !

They repeated their cruel actions in the absence of any fear from the police; shouted with indescribable abuses, pelted stones, looted the belongings of the inmates of the "AVV" injuring them seriously. To which extent we can count and put all these shameful incidents in black and white! We shall have a respite and leave the rest to the news media. who are able enough to make such episodes, a source of circulation with the headings of the newspapers highlighting the situation in their own colors. Yes, there is a striking difference between the devilish deeds mentioned herein is that there was a direct hand of the Police in earlier intrusions and harassment on 28-08-2011; whereas there is an indirect support in the latest attacks on 01-09-2011. Let's have a look to some scenes of the festival of circulation (T.R.P)by the news media.

02-09-11	दैनिक जागरण	आध्यात्मिक ईश्वरीय विश्वविद्यालय में जमकर तोड़-फोड़। सेवादारों को पीटा। गुरुवार को नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराने की माँग के साथ गुलाबी गेंग एवं जनक्रांति पार्टी की महिलाओं ने भीड़ के साथ हंगामा किया।
30-08-11	दैनिक जागरण	आश्रम के मामले में पल्ला झाड़ रही फर्रुखाबाद पुलिस

09-02-11	Dainik Jagaran	Loot, torment and torture of resident members in service of Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya. The havoc created by the women of Gulabi Gang and Janakranti party party on Thursday on the demand of releasing the minor girls.
30-08-11	Dainik Jagaran	Farrukhabad Police on "U" in the matters of Ashram.

सोची-समझी साजिश के तहत कुमारी मीना को बांदा पुलिस को सौंप दिया गया, ताकि उनके माता-पिता वहाँ के पुलिस वालों से कंधे से कन्धा मिलाकर मीना पर मानसिक अत्याचार करते हुए उसके मन में आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के प्रति ऑपोजिशन का भाव पैदा करें। इन उपरोक्त सारे शर्मनाक कांड के बाद वहाँ आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों के खिलाफ मीना के अपहरण की झूठी व बनावटी एफ.आई.आर. भी रजिस्टर की गई थी। मीना के प्रतिरोध पर ध्यान न देते हुए, कु. मीना का कुमारीपन के परीक्षण के लिए जबरियन मेडिकल टेस्ट करवाया गया।

Miss Meena was handed over to Banda Police in a preplanned conspiracy and a false and concocted FIR was filed with the police subsequent to the shameful tortures in the name of raid; in order to facilitate her parents torture her, in connivance with Police Officers and to brain wash her and tune her against the "AVV". Meenaa was forcibly subjected to virginity test against her will.

इंतज़ार कर-करके आ.ई.वि.वि. परिवार वालों ने कुमारी मीना को मैजिस्ट्रेट के सामने पेश करवाने की माँग को लेकर ता.01-09-2011 को ही उच्च पुलिस अधिकारियों के आगे एक कम्प्लेंट कर दी लेकिन उसके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई; क्योंकि मीना के परिवार वालों के और उनके रिश्तेदारों के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर मीना को आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के विरुद्ध भड़काने का, यातनाएँ देने का उपक्रम चल रहा था।

The legal demand of the "AVV family" members dated 01-09-2011 with the Higher authorities of Police to produce Meena before the Magistrate was found pale and futile before the inaction of the Police department for the reason that the intermediary time was being used to threaten and torture Meena and provoke her against "AVV family" in hand with the family members of Meena.

मीना को नारी निकेतन भेजने की धमकियाँ भी दे रहे थे। यातनाएँ देते-2, जब पुलिस वालों को कुछ हद तक विश्वास हुआ कि अब उसको मैजिस्ट्रेट के सामने पेश करना ही पड़ेगा, उसी विश्वास को ले करके पुलिस वाले आखिर पूरे एक हफ्ते के बाद ता.03-09-2011 को बांदा मैजिस्ट्रेट के सामने मीना को पेश कर पाए। इतने दिन किसी पीड़िता को मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किए बिना पुलिस हिरासत में रखना और यातनाएँ देना, क्या यह गैरकानूनी नहीं है ?

Meena was threatened that she will be sent to Nari Niketan if she does no co-operate. In result of repeated tortures, when the Banda police were satisfied that Meena would co-operate with them, then it was an inevitable circumstance for



them to produce her before the magistrate. And they have produced Meena after a week on 3rd September, 2011 before the Magistrate, Banda. Is it not a disregard to the Law in torturing a young girl and producing her after a lapse of a week!

निर्दोष कन्या मीना ने 164 सी.आर.पी.सी. के अंतर्गत अपने बयान में मैजिस्ट्रेट के सामने यह भी स्पष्ट किया था कि वह वयस्क है और अपनी मर्जी से आ.ई.वि.वि. परिवार के साथ रह रही है। यह बात स्पष्ट थी कि उसको किसी ने किडनेप नहीं किया था, जिस बात को ले करके अखबार वाले हो-हल्ला मचा रहे थे। लेकिन अगर अखबार वाले ये सच्चाइयाँ ज्यों की त्यों, बिना मिर्च-मसाला मिलाए छापेंगे तो वह कोई ब्रेकिंग न्यूज़ थोड़े ही बनेगी और फिर टी. आर. पी. कैसे बढ़ेगी?

The innocent girl in her subsequent statement before Magistrate under section 164 Crpc; has made it clear that she is a major and staying with the "AVV family" at her own will and without being pressured by anybody. It was ultimately clear that no one has kidnapped her. The news media has made a mess of the reputation of the "AVV family" by creating baseless Head Lines "Kidnap" as "Breaking News" as a part of their celebration of circulation. How can a news be a breaking one in the absence of creating and adding some hot and salt to their illegitimate creation! And how can be there an increased T.R.P !

04-09-11	अमर उजाला	बाँदा में किशोरी के कलमबंद बयान हुए, माँ-बाप को सौंपी
04-09-11	अमर उजाला	बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित आश्रम को लेकर लोगों का गुस्सा बढ़ता ही चला जा रहा है। शनिवार को शहर के लोग आश्रम बंद कराए जाने की माँग को लेकर सड़कों पर उतरे।

09-04-11	Amar Ujala	Anger of the people on rise in respect of the ashram of Baba Virendra Deo Dixit . People on roads on Saturday with demand to shut down the ashram.
09-04-	Amar	The statement of the girl obtained in Banda. Handed over

11	Ujala	to parents.
----	-------	-------------

दिनांक 28-08-2011 से ले करके घटित हुई स्थितियों का वर्णन करते हुए और अपने माँ-बाप के बंधनों से छूटकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में वापस जाने की अपनी इच्छा को व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट से मीना द्वारा लिखी हुई विनतियों का देर तक कोई रिज़ल्ट न मिला। अखबारों की उत्तेजनात्मक ब्रेकिंग न्यूज़ का अंत ही नहीं दिखाई पड़ रहा था। फ़र्रुखाबाद के रहवासियों के दिलों में आग भड़क उठने का कारण न्यूज़ मीडिया वालों की आ.ई.वि.वि. परिवार के विरोध में उत्तेजनात्मक और बे-बुनियाद वार्ताएँ नहीं तो और क्या हो सकता है !

The requests made by Meena explaining the sequences of incidences since 28th August, 2011 expressing her deep wish to go back to the "AVV" placed before the Supreme Court and High Court remained unresponsive for quite some time. No end was seen nearby to the frequent series of provocative Breaking News by the News Media. If not the frequent series of baseless Breaking News by the News media, who could it be that were igniting and provoking the fire in the hearts of the residents of Farrukhabad against the peaceful "AVV family"!

03-09-11	दैनिक जागरण yahoo	बाबा के आश्रमों पर ख़ुफ़िया विभाग की नज़र।
04-09-11	दैनिक जागरण	गलत है आश्रम में नाबालिग लड़कियों को रखना
04-09-11	अमर उजाला	युवाओं ने बाबा वीरेंद्र देव का पुतला फूँका
06-09-11	दैनिक जागरण	वीरेंद्र देव का आपराधिक इतिहास तलब
06-09-11	दैनिक जागरण	आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ संदिग्ध : महिला आयोग
04-09-11	अमर उजाला	बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के आश्रम को लेकर लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। शनिवार को शहर के लोग आश्रम बंद कराने की माँग को लेकर सड़कों पर उतरे।

Dainik Jagaran	09-02-11	Loot, torment and torture of resident members in service of Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya. The havoc created by the women of Gulabi Gang and Janakranti party in huge gatherings on Thursday with demand to release the minor girls.
Dainik Jagaran Yahoo	09-03-11	The eye of C.B.C.I.D on Baba's Ashrams.
Dainik Jagaran Yahoo	09-04-11	The youngsters have burnt the effigy of Virendra. It is wrong to keep minor girls in the Ashram.
Dainik Jagaran Yahoo	09-04-11	The youth women wing of BJP in course of authoring war tactics. "Doubt as to the duties and actions of Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya ". Women's Commission. "Virendra Deo Dixit be arrested." The Human rights Association.
Amar Ujala	09-04-11	Anger of the people on rise in respect of the ashram of Baba Virendra Deo Dixit . People on roads on Saturday with demand to shut down the ashram.

शांतिपूर्वक चलने वाले आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सामने उद्वेगपूर्ण वातावरण बना रहा। भड़के हुए लोगों की भीड़ जमा हुई पड़ी थी।

There was a violent and climate of anxiety outside the compound of the Ashram. Huge gathering of the people in outrage.

05-09-11	दैनिक जागरण	विवादित (फ़र्रुखाबाद में) आश्रम के सामने दिनभर हुआ बवाल। बाबा के पुतले फूँके।
----------	----------------	---

07-09-11	दैनिक जागरण	धारा 144 लागू होने के बाद आश्रम के बाहर व गली में पसरा सन्नाटा ; बाबा का पुतला फूँका – नारेबाज़ी
----------	----------------	--

Dainik Jagaran	09-05-11	Havoc in front of the Ashram all the day. Baba's effigy set on fire.
Dainik Jagaran	09-07-11	Baba's effigy burnt-Slogans. The guilty history of Baba Virendra Deo Dixit under enquiry. Silence near the Ashram after impose of Section 144.

भ्राता वीरेन्द्र देव दीक्षित की छवि को धूमिल व मलिन करने के लिए और आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के वासियों को गलत साबित करने के लिए कई वर्षों से मीडिया वाले लगे हुए थे, आज के दिन, जबकि भ्राता वीरेन्द्र देव दीक्षित के ऊपर, आध्यात्मिक विश्वविद्यालय-वासियों के ऊपर थोपे गए ढेर आरोप झूठे साबित हो गए, क्या वे मीडिया वाले इन छापे गए झूठे आरोपों को मिटा पाएँगे और क्या वे भ्राता वीरेन्द्र देव व आध्यात्मिक परिवार के सामने बिना किसी शर्त के माफी माँगे ? क्या वे जन प्रवाह के दिलों में जमी ग्लानि रूपी धूल को साफ़ कर पाएँगे ?

Today, in the circumstances where all the major cases instigated against Spiritual Brother Virendra Deo Dixit and other "AVV family" members proved faulty and created in the lines of conspiracies, can the news media which was continuously behind Spiritual Brother Virendra Deo Dixit and "AVV family" members, supporting the evil forces; erase the Braking News against Spiritual Brother Virendra Deo Dixit and the members of the "AVV family"? Can they expect excuses from Spiritual Brother Virendra Deo Dixit and the "AVV family" unconditional ? Will they be able to remove the dusty storms of hatred in the hearts of the people?

09-09-11	आज	बाबा वीरेन्द्र देव दीक्षित की सैकड़ों पत्नियाँ व बेटियाँ
07-09-11	दैनिक जागरण	आध्यात्मिक आश्रम गिरवाने को नोटिस की तैयारी

10-09-11	दैनिक जागरण	बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के आध्यात्मिक ईश्वरीय विश्वविद्यालय संवासिनियों के आश्रम छोड़ने पर प्रशासन ने रोक लगा दी। बाबा के आगे प्रशासन बेबसा। बाबा वीरेंद्र देव आश्रम के रहस्य को उजागर करने की माँग को लेकर लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच रहा है। बाबा के खिलाफ़ शहरवासियों ने दिए बयान। रक्षक के बजाय पुलिस ही बन गई भक्षक। बाबा का पुतला फूँका। आध्यात्मिक ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विरोध में ब्लैक ब्रिगेड वा अन्य संघटनों से जुड़ी महिलाओं ने कैंडिल मार्च निकाला।
11-09-11	दैनिक जागरण	पल-2 की जानकारी ले रहे वीरेंद्र देव। जो एक बार आश्रम से जुड़ गया, वह बाबा का ही हो गया- इसे आस्था कहा जाए या अंध विश्वास !
19-09-11	दैनिक जागरण	ईश्वरीय विश्वविद्यालय का कार्यकर्ता गिरफ्तार।
10-09-11	अमर उजाला	ब्लैक ब्रिगेड, गुलाबी गैंग ने निकाला कैंडिल मार्च ; युवा शक्ति के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाकर बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित का पुतला जलाया और जमकर नारेबाजी की ; युवाओं ने वीरेंद्र देव का पुतला फूँका
13-09-11	अमर उजाला	युवा शक्ति ने आश्रम के खिलाफ़ किया प्रदर्शन। आश्रम की सी.बी.आई. जाँच कराई जाएँ। वरिष्ठ नागरिकों की बैठक में उठी आवाज़।
10-09-11	हिन्दुस्तान	महिलाओं ने कैंडिल मार्च निकाल जताया विरोध। बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित के विरोध में बयान देने वालों की भीड़ शुक्रवार को सिटी मैजिस्ट्रेट की न्यायालय में लगी रही। बाबा वीरेंद्र देव के आश्रम में बच्चों को रखने का कोई अधिकार नहीं। आश्रम को एक और नोटिस।
13-09-11	हिन्दुस्तान	युवाओं वा महिलाओं ने कहा कि रहस्य का पर्दाफाश होना चाहिए।

Dainik Jagaran	09-07-11	Hundreds of eternal wives of Baba in the Ashram. The notice to demolish the Ashram ready.
Dainik Jagaran	09-10-11	Prohibitory orders by the Government restricting the moments of the lady saints of the Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya of Baba Virendra Deo Dixit out of the Ashram premises. Government helpless in the presence of Baba. The anger of the people touching the seventh skies with demand to unearth the secrets of the ashram of Baba Virendra Deo Dixit . The residents of the town has given statements against Baba. Instead of saviors the Police becoming eaters. Baba's effigy burnt. Candle march by women belonging to Black brigade and other groups against Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya .
Dainik Jagaran	11-09-11	Virendra Deo keeping the news at every moment. Whoever join the Ashram, became of Baba. Can this be a belief or a blind belief ?
Dainik Jagaran	19-09-11	Arrest of the member of Ishwariya Vishwa Vidyalaya
Amar Ujala	09-10-11	The black brigade and Gulabi Gang resorted to Candle march. The member of Yuva Shakti raised slogan and burnt the effigy of Baba on the pretext that Baba Virendra Deo Dixit was promoting damage to the religious feelings.
Amar Ujala	13-09-11	A road show by Yuva Shakti Members against Ashram. "Let C.B.C.I.D investigate the Ashram". The voice of the senior citizens in their meetings.

Hindusthan	09-10-11	The women started candle march and expressed opposition. Crowd gathered at the Court of City Magistrate to give statements against Baba Virendra Deo Dixit on Friday. There is no right to keep children in the Ashram of Baba Virendra Deo Dixit. Another notice to Ashram.
------------	----------	--

The youth and women said the secrets need to be unearthed.

अखबारों की उत्तेजनात्मक वार्ताओं का एक और दर्दनाक नतीजा, यू.पी. में जिनके भी बच्चे गुम हो गए थे या घर छोड़ भागे थे, उनमें से कुछ लोग आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में पुलिस को ले करके अपने गुमशुदा बच्चों को ढूँढने पहुँच रहे थे।

Another painful reaction from public in result of the provocative and inciting news creating furor by the News media spread over the entire U.P and other states is that mothers and fathers of their missing girls, who left their homes for elsewhere for their own reasons, blindly and unconvincingly started approaching the "AVV" in search of their missing children along with the Police of their respective places. Again there was some more fuel to the already spreading fire led to further ravage in Farrukhabad.

05-09-11	दैनिक जागरण	बेटी तलाशने आई महिला समेत 6 हिरासत में
07-09-11	दैनिक जागरण	कालपी से अपहृत किशोरी की तलाश में लोग आश्रम पहुँचे
06-09-11	दैनिक जागरण	बेटी की तलाश में इटावा से आई सरोज सहित 6 लोग रिहा
13-09-11	दैनिक जागरण	ईश्वरीय आश्रम : 5 माह से लापता सहेलियों की तलाश : सर्च वारंट जारी। पिता के साथ मिर्जापुर पुलिस ने डेरा डाला।
14-09-11	दैनिक जागरण	सिकतरबाग आश्रम में नहीं घुस सकी मिर्जापुर पुलिस।

Dainik Jagaran	09-05-11	Arrest of the woman and 6 others who came in search of her daughter.
Dainik Jagaran	09-06-11	People reached Ashram in search of their girl kidnapped from Kalpi. Release of Saroj along with six others who came from Itawa in search of daughter .
Dainik Jagaran	13-09-11	Ishwariya Ashram: Search of 5 friends (girls) missing since 5 months. Search warrant issued. Mirjapur Police along with the father at Farrukhabad.
Dainik Jagaran	14-09-11	Mirjaur Police could not enter the Sikhaththarbagh Ashram.

अब जो कुछ सत्यानाश होना था, वह हो गया था, तब किसी-2 जर्नलिस्ट लोगों के दिल में छोटा-सा दीया जला ।

Now the destruction that is aimed at was done. Then, some kindness entered in the hearts of some journalists to throw some non-sensational news also.

10-09-11	अमर उजाला	बाँदा की मीना ने सी.जे.एम. कोर्ट में दिए कलमबद्ध बयान में बताया कि वह अपनी इच्छा से आश्रम आई थी।
11-09-11	अमर उजाला	किशोरी ने कहा, स्वेच्छा से गई थी फ़र्रुखाबाद। बाँदा की मीना :



Amar Ujala	09-10-11	Meena of Banda has given statement on oath before the court of C.J.M. She told, she has come to the Ashram at her own will.
Amar Ujala	09-11-11	The girl has said, came to Farrukhabad at her own will. Meena of Banda.

कम-से-कम उपर्युक्त न्यूज़ देखने के बाद फ़र्रुखाबाद का वातावरण थोड़ा-बहुत थमना चाहिए था । जनमानस में उद्वेग व विकारों की आग लगाना जितना आसान होता है, उतना ही बुझाना कठिन होता है।

The situation should have cooled down after seeing the above published news. But, to put off the fire is not that easy when seen with the igniting of the fire of vices.

आ.ई.वि.वि. परिवार ने एक तरफ़ पुलिस से और दूसरी तरफ़ अंजली यादव द्वारा संचालित गुलाबी गेंग और शकुंतला शाक्य द्वारा संचालित जन क्रांति मोर्चा के अत्याचारों व दुष्परिणामों से रक्षण हेतु फ़र्रुखाबाद के सिटी मैजिस्ट्रेट के सामने अर्जी भी दाखिल की ।

The "AVV family" members have submitted an application before the City Magistrate, Farrukhabad seeking protection from the continued atrocities of the Police, Gulabi Gang led by Anjali Yadav, Jana Kranti Mahila Morcha led by Shakuntala Shakya.

इसके अलावा, आ.ई.वि.वि. परिवार की कुमारी हर्षा बहन के द्वारा अपनी इच्छा के विरुद्ध अपने माँ-बाप के चंगुल में बंधी हुई कुमारी मीना को छुड़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक क्रिमिनल रिट हेबिअस कार्पस फ़ाइल भी किया गया था, (रिट पिटिशन नं. 192/2011) ता.09-11-2011 को । फिर उस रिट पिटिशन को **विदड्रा** किया गया था ताकि **इलाहाबाद** हाई कोर्ट से समुचित रिलीफ़ मिल सके ।

In addition, Kum. Harsha bahan has filed a writ petition in Supreme Court on 9th September, 2011 to issue a writ of Habeas Corpus to issue direction that Kum. Meena Singh be released forthwith from the unlawful and wrongful confinement from her parents against her wishes and being a major she be allowed to live at a place of her choice. However, the criminal writ petition No. 192 of 2011 has been withdrawn on 26th September, 2011 to move the High Court for appropriate relief.

और इलाहाबाद हाई कोर्ट में आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की तरफ से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी हर्षा द्वारा दाखिल किए गए रिट पिटिशन (नं. 20359/2011) को पब्लिक इन्टरेस्ट लिटिगेशन के रूप में हाई कोर्ट ने स्वीकार किया।

A criminal miscellaneous writ petition has been filed under case No. 20359/2011 in the Allahabad High Court by Prajapita Brahmakmari Harsha subsequently whereby the said petition was converted by the High Court as Criminal Writ Public Interest Litigation No.20359 of 2011 and is pending with the court even as of now.

फर्रुखाबाद में आ.ई.वि.वि. की छवि को बदनाम होते हुए देख, देश के कोने-2 से कन्याओं के माता-पिता और परिवार के ढेर सदस्य सिटी मैजिस्ट्रेट कोर्ट फर्रुखाबाद में अपने-2 बयान देने पहुँचने लगे। कोर्ट के सामने ये सभी लोग यह स्पष्ट करने में जुटे रहे कि हमारी मेजर और माइनर कन्याएँ हमारी और उनकी खुद की इच्छाओं के अनुसार ही ईश्वरीय ज्ञान की प्राप्ति के हेतु फर्रुखाबाद आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रह रही हैं। उनके बयानों को सपोर्ट करते हुए नोटराइज्ड ऐफिडेविट्स भी सिटी मैजिस्ट्रेट के सामने पेश कराए गए। सच्चे ऐफिडेविट्स को झूठा साबित करने का कोई तंत्र सिटी मैजिस्ट्रेट के पास है ही नहीं। झूठे साबित किए बिना ऐफिडेविट्स को ठुकरा भी नहीं सकते।

Being hurt at hearts on seeing the defamatory news spread over in respect of the "AVV family", a huge number of AIVV family members, from the nuke and corners of the country rushed to Farrukhabad to give evidences stating that their major and minor daughters are kept at the Farrukhabad "AVV" at their wish and will only for the purpose of acquiring spiritual knowledge. Their statements before the City Magistrate are clearly supported by the written notarized affidavits in which their intentions are duly mentioned. The affidavits cannot be rejected unless they are proved to be false. No machinery is left with the City Magistrate to prove the affidavits are untrue and reject them.

10-09-11	हिन्दुस्तान	आश्रम के बचाव में जुटे नेता-अधिकारी। बाबा के 70 शिष्याओं ने दर्ज कराए बयान। शिष्याएँ बोलीं- सिर्फ ज्ञान लेने आती हैं।
05-09-11	दैनिक जागरण	अनुयायी बोले- झूठे हैं लोगों के आरोप।
10-09-11	दैनिक	बच्चों के माता-पिता ने बयान दिया कि बच्चे उनकी मर्जी से आश्रम में हैं

	जागरण	
11-09-11	दैनिक जागरण	बच्चों की डाक्टरी जाँच न की जाएँ, बिना माता-पिता की अनुमति के उन्हें छुआ भी न जाएँ। ऐसा कहना है बाबा के शिष्यों का, जो शनिवार 10-09-2011 को मैजिस्ट्रेट जाँच में बयान देने को पहुँचे थे।
10-09-11	अमर उजाला	आश्रम के पक्ष में आगे आए अनुयायी ; 105 संवासिनियों, प्रजापिता ब्रह्माकुमारों ने दर्ज कराए सिटी मैजिस्ट्रेट कोर्ट में बयान ; बयान दर्ज कराने बाबा के देश भर से शिष्य यहाँ पहुँचे ; माँ-बाप के साथ आए थे बच्चे ; 54 लोगों ने दर्ज कराए बयान
11-09-11	अमर उजाला	बाबा के 50 भक्तों ने दर्ज कराए बयान। झूठा शपथपत्र देने वाले जाएँगे जेल। सिटी मैजिस्ट्रेट।

Some more news headings are reflected hereunder.

Hindusthan	09-10-11	The politicians and the Officers united in favor and rescue of the Ashram. 70 students of Baba have got their statements recorded. The students said, they come only to acquire knowledge.
Dainik Jagaran-Yahoo	09-04-11	The followers said the complaints of the people are false.
Dainik Jagaran	09-10-11	The parents of the children gave statements that their children are in the Ashram at their own will .
Dainik Jagaran	09-11-11	The medical tests for the children should not be done. No one can even not touch them without the permission of the parents. These are the words of the students who reached the Magistrate court to get their statements recorded.

Amar Ujala	09-10-11	The followers came in favor of the Ashram. 105 girls and Prajapita Brahma Kumars have got their statements recorded in court of City Magistrate. Students of Baba from the entire country reached. 54 children came along their parents. The people got their statements recorded.
Amar Ujala	09-11-11	50 devotees of Baba got their statements recorded. People giving false statements will go to jail. City Magistrate .

कुछ जर्नलिस्ट्स सिर्फ़ आ.ई.वि.वि. परिवार के प्रति अफवाहें फैलाने से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने शिवबाबा के ईश्वरीय ज्ञान को भी कुछ इस प्रकार अपमानित किया।

Some journalists did not satisfy by mere spreading defamations and jeering at the "AVV family". Now the knowledge being imparted by Supreme Soul Shiv Baba is also subjected to defamation.

05-09-11	दैनिक जागरण	ज्ञान लेने के लिए शपथपत्र की आवश्यकता क्यों ?
11-09-11	हिन्दुस्तान	क्या है बाबा वीरेंद्र देव का भट्टी ज्ञान ? सात दिन भट्टी ज्ञान के बाद साधक दे देता शपथपत्र। सात दिन में माइंड वाश कर बना दिया जाता पक्का शिष्य।

Dainik Jagaran-Yahoo	09-05-11	What is the necessity of affidavit to obtain knowledge?
Hindusthan	09-10-11	What is the Bhatti Knowledge of Baba Virendra Deo Dixit ? The student gives affidavit after getting Bhatti Knowledge for seven days. After brain washing for a period of seven days, they will be made as permanent follower.

अपमान और अपयश के रास्तों से गुज़रते-2, गालियों को नज़रअंदाज करते हुए, धमकियों पर ध्यान न देते हुए आ.ई.वि.वि. परिवार के तरफ़ आगे बढ़ी कु. मीना कुछ ही दिनों में शिवबाबा की छत्रछाया में और **आध्यात्मिक** परिवार से फिर से जुड़ गई, जबकि फ़र्रुखाबाद का और बाकी यू.पी. के अनेक शहरों का वातावरण **सर्दियों में भी गरमागरमी** का ही रह गया।

इस केस से संबंधित कुमारी मीना के मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए बयान की प्रतिलिपि इसके साथ संलग्न की गई है।

Making her travel through the roads of defamations and threats; without caring for the abuses; and with her undeterred determination, Meena joined back the AVV family again under the canopy of Shiv Baba, while the aggravated circumstances remained burning hot in the Farrukhabad and other towns of U.P even during the winter. A copy of the statement by Miss Meena before the Magistrate is annexed.

मु. अ. स. 25/4/2011 कारा 364, 342 / 12

मूल/द्वितीय/तृतीय प्रतिलिपि

न्यायालय/वादी/कार्यालय के लिए  
प्रथम सूचना की रिपोर्ट

पुलिस प्रपत्र सं० 341

इस रिपोर्ट संग्रह की भांश 154 के अन्तर्गत पुलिस द्वारा हस्तक्षेप किये जाने योग्य अपराध की प्रथम सूचना

क्र. सं. को. अ. फ. अ. का. का. 2  
जिल्ला सिकंदर  
जिला फारुखाबाद  
संख्या 326/11



घटना की दिनांक व समय 23-8-2011  
1-30 बजे

शेनैड व समय, जबकि रिपोर्ट की गई	घटना स्थल, दिना और प्रकृति, स्थान से दूरी	पुलिस स्टेशन से भेजे जाने का दिनांक
28-8-11 13.45 P.M.	कोइसलिक इशरीय विश्व विद्यालय सिक्कल वाग कहेद OP पुलना इशरी 1 K.M. विश्वा परिषद कोइसलिक	जम्मा

प्रथम सूचना देने वाले के हस्ताक्षर या अंगुले का चिन्ह लेना चाहिए और इसकी पुष्टि, गवाही लिखने वाले पदाधिकारी के हस्ताक्षर के द्वारा होनी चाहिए।

सूचना देने वाले का नाम व निवास स्थान	अभिप्रेत का नाम व निवास स्थान	द्वारा संज्ञित अपराध न ले जायी गयी सम्पत्ति (यदि कोई हो) का संक्षिप्त विवरण	संश्लेषण के सम्बन्ध में जो कार्यवाही की गयी तथा सूचना के दर्ज करने में देरी होने का कारण	मुकदमों का परिणाम
1	2	3	4	5
श्री शम्भू उग्र गार्हाडोली जयपुरा उसका राई के मरिका मु. अ. अ. गिरी वाग कोइसलिक कोइसलिक जिला	कोइसलिक इशरीय विश्व विद्यालय सिक्कल वाग कोइसलिक फारुखाबाद	अभिप्रेत गर्ना स्टाफ वादी का जुर्रा का कपहरण का संस्था के प्रमन कहेद वाग इशरीय जयपुरा 364, 342 R	वाकिवा तहरीर के का धारण उत्तर वादी अभिप्रेत पुलीस क्लिफ गिपा संस्था के का दर्ज है। जितने वादी विषय कहेदी की कोइसलिक गुस्ता 1/10 मरका कादी	तमसेर होम

प्रथम सूचना पृष्ठ सांग में लिखी जायेगी।

शम्भू उग्र

हस्ताक्षर 28-8-11

नोट - सूचना देने वाले का हस्ताक्षर या निशानी अंगुला रिपोर्ट के अन्त में लगवाना चाहिए।

28-8-11

Handwritten signature and notes at the bottom right.

338

न्यायालय के लिये  
प्रथम सूचना की रिपोर्ट

कार्य 363/366 /m

खण्ड निरपेक्ष संपन्न की धारा 154 के अन्तर्गत पुलिस द्वारा हस्ताक्षर किये जाने योग्य अपराध

नाम.....  
वादा-डिस्ट्रिक्ट.....*एल.ता. कोटा 0 तम (वादा)*  
पता.....*पु.सं. 505/11*



23-8-11 01 m  
2 खंडे दिन

दिनांक व समय जबकि रिपोर्ट की गई	घटना स्थान, दिशा और पुलिस स्टेशन से दूरी	पुलिस स्टेशन से भेजे जाने का दिन
<i>28-8-11 समय 15-35</i>	<i>आशिम प्रेम कुमारी को अलीमजद कोठार 2, कोटा</i>	<i>आशिम</i>

नोट-प्रथम सूचना देने वाले के हस्ताक्षर या अंगूठे का चिन्ह लेना चाहिये और इसकी पुष्टि गवाही लिखने वाले पदाधिकारी के हस्ताक्षर के द्वारा होनी चाहिये।

सूचना देने वाले या वादी का नाम व निवास स्थान	अभिमुक्त का नाम निवास स्थान	धारा सहित अपराध व ले जाई गई सम्पत्ति (यदि कोई हो) का संक्षिप्त विवरण	सहकारिता के सम्बन्ध में जो कायवाही की गई तथा सूचना के दर्ज करने में देरी होने का कारण	मुकदमे का परिणाम
1	2	3	4	5
<i>वादी रामेश कुमार देवसाल 50 के 7 एसाड No अलीमजद कोठार, कोटा</i>	<i>अशिम 1. देवेंद्र कुमार देवसाल प्रकाश शिवर 2. राम शिवर 88 अशिम सामान्य जेठो अलीमजद कोठार, कोटा</i>	<i>आशिम प्रेम कुमारी धारा की घुनी मीना देवी के लगे अशिम / धारा 363/366 /m</i>	<i>सूचना दे देती कि वास्तविकता ही है एसा अशिम, वादी अशिम प्रेम कुमारी को अलीमजद कोठार, कोटा अलीमजद कोठार, कोटा</i>	<i>अशिम</i>

सूचना पृष्ठ भाग में लिखी जायेगी।

सूचना देने वाले के हस्ताक्षर या निशान अंगूठा रिपोर्ट के अन्त में लगवाना चाहिये।

हस्ताक्षर.....  
पद.....  
*28/8/11*



बंयान खतोरे चाप-164 type

दिनांक-3-9-11

मुं. सं. सं. 035/11

ख-तोरे चाप-363/366 ipc

बंयान-कोतवाली-197

जिला-कांदा

नाम-मीना, पुत्री. एकेश कुशा, उम्र- बंयान कती के बनुहाटलाफा  
19 वर्ष, निवासी-अनी गोक खूटी-जोएहा, बंयान कोतवाली-197  
जिला कांदा

संग्रह

मैं अपने माता-पिता एवं मेरे बहने के साथ गोरी मल.  
एरीफ के कमरे पर रहते हूँ। मेरे कमरे के बाल में  
आध्यात्मिक इस्वीप किब्य किद्यालय लिखत हूँ। मैं कभी  
2 महीने से इस विद्यालय में जाती हूँ। मेरे माता-पिता  
को भी यह मालूम था। मैं शुरू के एक महीने सोलर  
खंडा उस विद्यालय में जाती थी। उस विद्यालय में दिना  
के साथ आध्यात्मिक कोई कारण पाया है। मैंने भी वठकोई  
किया था। वहाँ बहने के साथ कोई कारण पाया था। दिन  
महिलाओं की शर्त नहीं पूरी होती थी उन्हें 'बहने' और  
दिलकी शर्त से गयी थी उन्हें 'माता' कहते थे। वहाँ  
मैंने अच्छा लगा था। मैं कक्षा-7 तक गयी हूँ। उसके  
बाद मैंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। मेरी माता मुझे  
वहाँ जाने से मना करती थी। उस वक़्त एक महीना  
कागार जाने के बाद मैं कभी-कभी विद्यालय जाती थी।  
दिनांक 23-8-11 के लफंडा में मैं अपने घर से निकली।  
घर से कुछ दूर मुझे इस्वीप विद्यालय से एक मता पा मिली।  
उसमें मैंने एक दिन पहले ही कलाबागद लिखत आध्यात्मिक  
इस्वीप विद्यालय जाने से इच्छा व्यक्त की। कलाबागद के  
विद्यालय में दिना से आध्यात्मिक कोई कारण पाया है।





उनका जो नाम मुझे पता नहीं है। मैं उनके साथ बॉम्बे माता-पिता के बच्चे फर्रुखाबाद के सिकन्दर बाबा में स्थित आध्यात्मिक विद्यालय चली गयी। मैंने अपने माता-पिता से फर्रुखाबाद जाने की बात सुन ली थी और मैंने भी कि पहले मेरे माता-पिता मुझे मेरे जन्म के समय चालीस छह की उम्र में ही एक बार मुझे फर्रुखाबाद भेजने से इनकार भी कर दिया था। मैं फर्रुखाबाद दिनांक 24-11-11 के पड़ोसी थी। वहाँ पड़ोस का मैंने अपने पिता की फोन करके बात किया था। मैं आध्यात्मिक विश्व विद्यालय फर्रुखाबाद में 20-11-11 तक रही। मैं किसी विशेष काम या गणना किए हुए नहीं जानती हूँ। मेरे पिता ने ऊपर विशेष रूप से एक पिलाफ करी प्रोपर्टी मुझे फर्रुखाबाद फर्रुखाबाद दिनांक के जाने की मिलाई है यह गलत है। दिनांक 24-11-11 से 20-11-11 तक मैं फर्रुखाबाद में अज्ञात में रही। उस समय मैं मुझे किसी ने पेशान नहीं किया। मैं बालिका हूँ। मैं अपना जाल-धरा समझती हूँ। मैं अपनी माँ से फर्रुखाबाद के आध्यात्मिक विश्व विद्यालय चली थी। दिनांक 20-11-11 के मेरे माता-पिता नहीं बहन व अन्य लोग फर्रुखाबाद पड़ोस के बॉम्बे मुझे अपना ले आये थे। मैं अपने माँ बाप के साथ चला जाना चाहती हूँ।



एकदा तस्वीर किया

पहले ही सात अपने  
-एत जेए के संकित

(हठ रोक)

दिया गया।

प्रमाणित प्रतिबिम्बि

प्रतिबिम्बि तैवार कर्ता  
प्रतिबिम्बि मिलान कर्ता  
संख्या

3-9-11

19/11

प्रमाणित प्रतिबिम्बि  
दिया गया - बाबा

A-C-5-M I Banda

## Typed Copy

न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बांदा।

मु०अ०सं० ८३५/११

सरकार बनाम ब्रिजेश कुमार आदि।

धारा ३६४, ३६६ आई०पी०सी०

थाना कोतवाली नगर जिला बांदा।

बयान अन्तर्गत धारा १६४ सी०आर०पी०सी०

दिनांक ३-९-११

नाम मीना पुत्री राकेश कुमार उम्र बयान कर्ती के अनुसार लगभग १९ वर्ष निवासी अलीगंज खूंटी चौराहा थाना कोतवाली नगर जिला बांदा।

### सशपथ

मैं अपने माता पिता एवं भाई बहनों के साथ गौदी लाल सराफ के मकान पर रहते है। मेरे मकान के बगल में आध्यात्मिक ईश्वरीय विश्व विद्यालय स्थित है। मैं करीब २ महीने से उस विद्यालय में जाती हूं। मेरे माता पिता को भी यह मालूम था। मैं शुरू के एक महीने रोज एक घंटा उस विद्यालय में जाती थी। उस विद्यालय में दिन के द्वारा आध्यात्मिक कोर्स कराया जाता है। मैंने भी यह कोर्स किया था। वहां बहनों के द्वारा कोर्स कराया जाता था। जिन महिलाओं की शादी नहीं हुयी होती थी उन्हें बहने, और जिनकी शादी हो गयी थी उन्हें माता कहते थे। वहां मुझे अच्छा लगता था। मैं कक्षा ७ तक पढी हूं। उसके बाद मैंने अपनी पढाई छोड दी थी। मेरी गममी मुझे वहां जाने से मना करती थी। इस लिये एक महीना लगातार जाने के बाद मैं कभी कभी विद्यालय जाती थी। दिनांक २३-८-११ को दोपहर में मैं अपने घर से निकली। घर से कुछ दूर मुझे ईश्वरीय विद्यालय की एक माता जी मिली। उनसे मैंने एक दिन पहले ही फर्रुखाबाद स्थित आध्यात्मिक ईश्वरी विद्यालय जाने की इच्छा बताई थी। फर्रुखाबाद के उन माता जी का नाम मुझे बाद नहीं है। मैं उनके साथ वगैर माता पिता को बताये फर्रुखाबाद के सिकत्तर बाग में स्थित आध्यात्मिक विद्यालय चली गयी। मैंने अपने माता पिता से फर्रुखाबाद जाने की बात



इस लिये नहीं बताई क्यों कि पहले मेरे माता पिता मुझे भेजने के लिये टालते रहते थे और कोई स्पष्ट जवाब नहीं देते थे। एक बार मेरे माता पिता ने मुझे फर्रुखाबाद भेजने से इंकार भी कर दिया था। मैं फर्रुखाबाद दिनांक 24-8-11 को पहुंची थी। वहां पहुंच कर मैंने अपने पिता को फोन करके बता दिया था। मैं आध्यात्मिक विश्व विद्यालय फर्रुखाबाद में 28-8-11 तक रही। मैं किसी द्विजेश कुमार या राजू शिवहरे की नहीं जानती हूं। मेरे पिता ने अगर द्विजेश एवं राजू के खिलाफ कोई रिपोर्ट मुझे जबरदस्ती फर्रुखाबाद लिवा ले जाने की लिखाई है यह गलत है। दिनांक 24-8-11 से 28-8-11 तक मैं फर्रुखाबाद में आश्रम में रही। उस आश्रम में मुझे किसी ने परेशान नहीं किया। मैं वालिग हूं। मैं अपना भला बुरा समझती हूं। मैं अपनी मर्जी से फर्रुखाबाद के आध्यात्मिक ईश्वरी विश्वविद्यालय गयी थी। दिनांक 28-8-11 को मेरे माता पिता भाई बहन व अन्य लोग फर्रुखाबाद पहुंचे थे और मुझे वापस वापस ले आये थे। मैं अपने मां बा पके साथ घर जाना चाहती हूं।

सुनकर तर्दीक किया।

यह बयान मेरे द्वारा अपने  
हस्त लेख में अंकित किया  
गया।

ह0अ0

सत्य प्रतिलिपि

एस0डी0 राकेश कुमार

एस0डी0 विमला

मैं जितने समय पुलिस के साथ रही मुझे किसी ने परेशान नहीं  
किया मुझे पुलिस से कोई शिकायत नहीं है।

एस0डी0 मीना

एच0जी0 रानी सिंह

(मीना की चाची गीतिका सिंह डर्फ नीलम सिंह शिक्षिका)

एस0डी0

डी0के0सैनी

उपनिरीक्षक थाना कोतवाली नगर बादं

3.9.2011



क्र. 20/835/11 - वा.प्र. 283/366 मू.प्र. के अ.प्र.

7

मूल/द्वितीय प्रतिलिपि  
अन्तिम रिपोर्ट

पुलिस प्रपत्र संख्या-340

116577

प्रथम-सूचना संख्या 305- तारीख 28.8.11 (वादी की सूचना के लिये)  
अन्तिम रिपोर्ट संख्या 164 तारीख 03.09.2011

या सूचना देने वाले का और पता श्री रामेश्वर गुप्ता के लिये  
 या अभियोग का स्वरूप कुल मिलाकर प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 गई सम्पत्ति का विवरण (यदि कोई हो) 28.8.11 के अन्तर्गत प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 युक्त व्यक्तियों को नाम और (यदि कोई हो) श्री रामेश्वर गुप्ता के लिये प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 गिरफ्तारी की गई है तो तारीख का दिनांक तथा समय 28.8.11 के अन्तर्गत प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 किये जाने का दिनांक समय, क्या जमानत पर या लके पर छोड़ा गया। 28.8.11 के अन्तर्गत प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 पति (हथियारों सहित), जो गई हो। किसने, कहाँ पाई मैजिस्ट्रेट के पास भेजी गई नहीं? विवरण सहित श्री रामेश्वर गुप्ता के लिये प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 प्रपत्र में प्रपत्र सूचना या भेद्योग, पुलिस कार्यवाही का नाम सहित विवरण, जांच करने का कारण श्री रामेश्वर गुप्ता के लिये प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये  
 य विवरण श्री रामेश्वर गुप्ता के लिये प्रपत्र के अन्तर्गत सूची की जाये



दिनांक रात महीना को यह रिपोर्ट भेजी गयी।

जांच करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर

लय की आज्ञा  
स0यू0पी0-07 पुलिस-11-9-08-13,000 बुक्स (डी0टी0पी0/आफसेट)।

हस्ताक्षर मैजिस्ट्रेट  
प्रमाणित प्रतिलिपि  
20/11/11  
वचान प्रतिलिपि  
लिखा कपी-वाक

मु0अ0सं0 835 धारा 363, 366 आई0पी0सी0 थाना कोतावली  
नगर बांदा जिला बांदा।

अतिम रिपोर्ट

थाना- कोतावली नगर बांदा

जिला- बांदा

प्रथम सूचना सं0 505/11 दिनांक 28.8.11

अतिम रिपोर्ट सं0 164/11 दिनांक 3.9.11

वादी- राकेश कुमार बेलदार पुत्र कांता प्रसाद निवासी  
अलीगंज खूटी चौराहा थाना कोतावली नगर बांदा।

धारा- 363, 366 आई0पी0सी0

पुलिस विवेचना का परिणाम- श्रीमान जी, निवेदन है कि दिनांक  
28.8.11 को वादी श्री राकेश कुमार वादी मुकदमा उपरोक्त की  
तहरीर पर मुकदमा उपरोक्त पंजीकृत हुआ विवेचना मुझ एस0आई0

(3)

द्वारा की गयी तो कुमारी मीना दिनांक 23.8.11 को बांदा से आध्यात्मिक ईश्वरी विद्यालय फर्रुखाबाद अपनी मर्जी से माता पिता को बताये बगैर चली गयी थी। जिसके पता लगने पर दिनांक 28.8.11 को वादी द्वारा मुकदमा पंजीकृत करवाया गया। दिनांक 28.8.11 को फर्रुखाबाद से कुमारी मीना मिल गयी जिसके 161 व 164 सी0आर0सी0 के बयान से किसी जुर्म का होना नहीं पाया गया अतः विवेचना द्वारा अतिम रिपोर्ट समाप्त की गयी। अतिम रिपोर्ट सेवा में प्रेषित है तथा जुर्म खारिजा रिपोर्ट प्रेषित की जा रही है स्वीकृत करने की कृपा करें।

दिनांक- 3.9.2011





क्र. नं. 2550/11 2020-147/323/504/508/227/900

**मूल/द्वितीय/तृतीय प्रतिलिपि**

पुलिस प्रपत्र सं० 341

न्यायालय/वादी/कार्यालय के लिए  
प्रथम सूचना की रिपोर्ट

दण्ड-विधि संग्रह की धारा 154 के अन्तर्गत पुलिस द्वारा हस्तक्षेप किये जाने योग्य अपराध की प्रथम सूचना

थाना उमरवाली फर्रुखाबाद  
सब डिविज़न मुर्दा  
जिला फर्रुखाबाद  
संख्या 832/11

*[Handwritten signature]*  
←  
*[Handwritten signature]*

घटना की दिनांक व समय 1-9-11 4:30 PM के करीब

दिनांक व समय, जबकि रिपोर्ट की गई	घटना स्थल, दिशा और पुलिस स्टेशन से दूरी	पुलिस स्टेशन से भेजे जाने का दिनांक
1-9-11 18:35	आदवालीक इंस्टोरेज फर्रुखाबाद लोक-नरवाय व फर्रुखाबाद 1 कि.मी. दिशा-दक्षिण फर्रुखाबाद	शुक्र को

नोट :- प्रथम सूचना देने वाले के हस्ताक्षर या अंगूठे का चिन्ह लेना चाहिए और इसकी पुष्टि गवाही लिखने वाले पदाधिकारी के हस्ताक्षर के द्वारा होनी चाहिए।

सूचना देने वाले या वादी का नाम व निवास स्थान	अभियुक्त का नाम व निवास स्थान	धारा सहित अपराध न ले जायी गयी सम्पत्ति (यदि कोई हो) का संक्षिप्त विवरण	तहकीकात के सम्बन्ध में जो कार्यवाही की गयी तथा सूचना के दर्ज करने में देरी होने का कारण	मुकद्दमों का परिणाम
1	2	3	4	5
मु. ड. क्रि. 104 फर्रुखाबाद, इंदौर रोड, फर्रुखाबाद निवासी 5/2/58, क्रि. नं. 104/11 फर्रुखाबाद लोक-नरवाय फर्रुखाबाद (मु. ड. क्रि. 104)	अंशुनी 2020 (उमरवाली गैंग) काकाजी सुरत कान्डेय व 50-60 आटेवाले मु. ड. क्रि. 104 पता अज्ञात	आगे सूचना दी गयी थी कि आदवाली पर आकाशवाणी लोक-नरवाय फर्रुखाबाद, फर्रुखाबाद, मु. ड. क्रि. 104/11 का सूचना देना व आकाशवाणी व आरेखण करना। मु. ड. क्रि. 104/11/523/504/508/227/900	तहकीकात के सम्बन्ध में मु. ड. क्रि. 104/11/523/504/508/227/900 तहकीकात के सम्बन्ध में मु. ड. क्रि. 104/11/523/504/508/227/900 तहकीकात के सम्बन्ध में मु. ड. क्रि. 104/11/523/504/508/227/900	विशेष नोट

प्रथम सूचना पृष्ठ भाग में लिखी जायेगी।

सूचना देने वाले का हस्ताक्षर या निशानी अंगूठा रिपोर्ट के अन्त में लगवाना चाहिए।

हस्ताक्षर  
पद  
*[Signature]*  
01/09/11

नवकाय तहरीर हिन्दी वादिनी

सेवा में श्रीमान प्रभारी निरीक्षण कोतवाली फरिदाबाद 1973  
 जी, से निवेदन है कि, आज दिनांक 1-09 2011 करीब नयेपहर 1.  
 गैंग की कमांडर अंजली थावर एवं सहयोगी सुरज पाण्डेय व  
 50-60 महिलायें व पुरुषों को लेकर, अज्ञात जनरल पब्लिक भीत  
 भाई और अमृता प्रवर्त वाली गलौच वेकर, और साथ 'आश्रम' का  
 जोर-डवावा मुर्दाबाद से ही नारे वाजिया लगाते गये, अमृता प्रवर्त के व्यथार  
 किया, पत्थर के, मुख्य वडा देवाला जिसमें लाले लगे है, सहे लारेया  
 हथौडा भादि शोधयारी से धक्का देकर लोड डाला अन्दर रखा, हुंसादि  
 (साइकिल रिक्शा) कर जिसकी वाहन संख्या नम्बर सि 3930 है व  
 डाला पि लार्ड मशीन, कुर्सीया आदि सामानों की, लारखी रुपयों की  
 को छुसान कर दिया। सारा सामान विखरा दिया। आश्रम को बन्द करके  
 धमकी दी। यह सारा करते समय आश्रम के सेवा धारी निवासी वही  
 माश्री, माताओं को मारा जोटा। यह बटना क्रम-3-4 बघटे तक चला  
 इस करण सभी आश्रम निवासी भयभीत है, और प्राण संकट में है।  
 इस बटना क्रम का प्रथम आश्रम गवाह ही अतः श्रीमान जी से निवेदन  
 है कि रिपोर्ट दर्ज करके इसे शुरुआत प्रदान करे तथा उचित कार्यवाही  
 करने की कृपा करे। प्राथमिक प्र. व. कु. हर्ष आध्यात्मिक ईश्वरिय केंद्र  
 विद्यालय इरिड सि. निकतारवाग, जिला- फरिदाबाद कोतवाली निरीक्षण  
 (30.9.11)

नोट में मांग 46 प्रयोग कृपया मित्र प्रभाजित करती है कि तहरीर की  
 नवकाय निरीक्षण पुरावर शब्द व शब्द की बायीं ले

पुनः प्रमाण  
 01/09/11



**आरोप - पत्र (मूल)**

32/ पुस्तक प्रपत्र संख्या-22

जिला फकीरवाड़ा  
थाना कोटवाली फकीरवाड़ा

प्रथम सूचना संख्या 332/11  
आरोप पत्र संख्या 324/11  
अपराध संख्या 2550/11

तारीख 1-9-11 सन् 2011  
तारीख 22-11-2011 सन् 2011

1	2		3					4	5	6	7	8	9		
	नाम और पता अभियुक्त जो चालान नहीं किये गये हैं। चाहे पकड़े गये हों या न पकड़े गये हों	अभियुक्तों का नाम व पते जिनका चालान किया गया है	गिरफ्तार	जमानत व जारी मुद्दतके पर	मफतूर	माल (हथियार सहित) जो पाये गये हों इत विवरण के साथ कि कहाँ और कब पकड़ा गया और किसने पकड़ा और वह मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया या नहीं भेजा गया।	आरोप या सूचना अपराधों का नाम और उससे संबंधित परिस्थिति का संक्षिप्त विवरण और विवाद की वह धारा जो अपराधी के सम्बन्ध में लगायी गई हो।						मुकदमा का परिणाम	गवाहों के नाम और पते	विवरण अपराधी
नाम और पता अभियुक्त जो चालान नहीं किये गये हैं। चाहे पकड़े गये हों या न पकड़े गये हों	अभियुक्तों का नाम व पते जिनका चालान किया गया है	गिरफ्तार	जमानत व जारी मुद्दतके पर	मफतूर	माल (हथियार सहित) जो पाये गये हों इत विवरण के साथ कि कहाँ और कब पकड़ा गया और किसने पकड़ा और वह मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया या नहीं भेजा गया।	आरोप या सूचना अपराधों का नाम और उससे संबंधित परिस्थिति का संक्षिप्त विवरण और विवाद की वह धारा जो अपराधी के सम्बन्ध में लगायी गई हो।	मुकदमा का परिणाम	गवाहों के नाम और पते	विवरण अपराधी	पूर्व सजावें	दिनांक	स्थान	सजा		
नाम और पता अभियुक्त जो चालान नहीं किये गये हैं। चाहे पकड़े गये हों या न पकड़े गये हों	अभियुक्तों का नाम व पते जिनका चालान किया गया है	गिरफ्तार	जमानत व जारी मुद्दतके पर	मफतूर	माल (हथियार सहित) जो पाये गये हों इत विवरण के साथ कि कहाँ और कब पकड़ा गया और किसने पकड़ा और वह मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया या नहीं भेजा गया।	आरोप या सूचना अपराधों का नाम और उससे संबंधित परिस्थिति का संक्षिप्त विवरण और विवाद की वह धारा जो अपराधी के सम्बन्ध में लगायी गई हो।	मुकदमा का परिणाम	गवाहों के नाम और पते	विवरण अपराधी	पूर्व सजावें	दिनांक	स्थान	सजा		

वही या सूचना देने वाले का नाम, पता और पता

72/2/12

मुख्य न्यायिक अधिकारी

व का दिनांक ..... सन्

माल (हथियार सहित) जो पाये गये हों इत विवरण के साथ कि कहाँ और कब पकड़ा गया और किसने पकड़ा और वह मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया या नहीं भेजा गया।

आरोप या सूचना अपराधों का नाम और उससे संबंधित परिस्थिति का संक्षिप्त विवरण और विवाद की वह धारा जो अपराधी के सम्बन्ध में लगायी गई हो।

मुकदमा का परिणाम

गवाहों के नाम और पते

विवरण अपराधी

पूर्व सजावें

दिनांक

स्थान

सजा

- १) प्र. बं. कु. हर्षा DI० जालमार्ग R१० चोराजी PS चोराजी जिल्हा राजकोट उपनगर हात कायदा १२४ दिनांक १९८०/१९८१
- २) चकोरे लाल दिवाचो वानु DI० पर्वतगल दि. वि. लोरा रवाई PS२३ अट. वा. जिल्हा कार्यालय हातपत्र २२०२०
- ३) प्र. बं. कु. रोहणी DI० द. नो. दि. R० सरिता गाडी के लो. रेलवे जोड के पास फाटाकवडी घुसे - ३५ फ. अ. हातपत्र २२०२०
- ४) नीलम DI० लालन खंड (ना. R० जालमेरा डा. ड. क. म. ले. R B ५-३/००२ दिनांक १९८० घुसे - १८ हातपत्र २२०२०
- ५) अरोज माता DI० जैरी रो. मार्ग R० जयपुर डा. म. की फाटक (अ. क. पुरी) DI हात कायदा १२४ दिनांक १९८०/१९८१
- ६) अन्वदा राज लक्ष्मी DI० राम चंद खा. R० ग्राम तालवहर धार पांकी जिल्हा कार्यालय इ. अ. हातपत्र २२०२०
- ७) विनय वि. मा. ह. DI० कुलेना मा. ह. R० ग्राम बजार पु. PS बजार पु. वि. जै. ल. पु. हातपत्र २२०२०
- ८) H M ५६ प्रकोण कुहा मिमा धारकोटे मा. की. व. की. व. जिल्हा कार्यालय (ने. अ. दि. ८)
- ९) डा. श्री. ल. पु. हा. DI० व. जिल्हा PS कोराजी कार्यालय दिनांक १९८०/१९८१

२/१२/२०१०  
 २२/११/२०१०

To A. C.  
 १०/११/१०